Geography Part - I By:- Abhishek Kumar.

R.N. College Hajipur

11/07/2020

नेपाल

Q. नेपाल का एक संतुलित भौगोलिक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

(A) परिचय

(B) भौतिक स्वरूप
- (i) तापमान एवं वर्षा
- (ii) मिट्टी, वनस्पति

(C) आर्थिक स्वरूप
- (i) कृषि का विकास
- (ii) उद्योग की स्थिति
- परिवहन एवं व्यापार

(D) सामाजिक स्वरूप
- जनसंख्या की स्थिति
- बस्तीयों का विकास
- धर्म एवं संस्कृति

(E) समस्याएँ एवं समाधान प्रयास

(A) परिचय :- भारत के उत्तरी भाग में स्थित विस्तृत विशाल हिमालय पर्वत श्रेणी के मध्य भाग में स्थित है और एशिया महाद्वीप का एक छोटा पर्वतीय प्रदेश है। यह 26°20' और 30°10' उत्तरी अक्षांशों और 80°15 तथा 88°12 पूर्वी देशान्तरों के बीच स्थित है। इसके पूर्व से पश्चिम की लंबाई 880 km तथा उत्तर से दक्षिण की चौड़ाई 240 km है। इसके उत्तर में तिब्बत

पूर्व में पश्चिम बंगाल और सिक्किम, दक्षिण में बिहार और पश्चिम में उत्तरांचल प्रदेश है इसकी राजधानी काठमांडु है।

(B) भौतिक स्वरूप

(i) वर्षा एवं तापमान :-

शीत ऋतु में यहाँ का तापमान हिमांक बिंदु से 10°C नीचे हो जाते हैं। ग्रीष्म ऋतु सुहावनी होती है और तापमान 27 तक पहुँच जाता है। नेपाल का वार्षिक वर्षा का औसत 150 cm तक होता है। अधिकांश वर्षा जून से सितंबर तक मानसून से होती है। देश के पूर्वी भागों में वर्षा 175 cm तथा पश्चिमी भागों में 75 cm वर्षा होती है।

(ii) मिट्टी और वनस्पति :-

यहाँ की मिट्टी पथरीली है चूंकि पूरे नेपाल हिमालय पहाड़ से ढका हुआ है अतः यहाँ की भूमि पहाड़ी है एवं मिट्टी उपयुक्त नहीं होती है। यहाँ की धरातल असमान्य होने के कारण वनस्पति भी कई प्रकार के मिलते है। यहाँ उष्णकटिबंधीय चौड़ी पत्ती वाले कोणधारी तथा टुंड्रा वनस्पति भी मिलती है।

(c) आर्थिक स्वरूप

(i) कृषि का विकास :-

यहाँ मुख्य रूप से कृषि काठमांडु की घाटी में संभव हो पाया है। यहाँ कृषि के विकास की प्रमुख बाधाएं - भूमि, वर्षा तथा सिंचाई के साधनों का अभाव है। इसके विकास के लिए भारत सरकार और संयुक्त राज्य अमेरिका की आर्थिक सहायता की गई है। कोसी परियोजना से यहाँ की कृषि के विकास में काफी सहायता प्रदान की गई है।

(ii) उद्योग की स्थिति :-

इस देश में उद्योग धंधा नहीं के बराबर है क्योंकि यहाँ खनिज का अभाव है, परिवहन का अभाव, तकनीक अभाव आदि कारणों से यहाँ विकास इतना अधिक नहीं हो पाया है। किंतु भविष्य में औद्योगिक विकास की संभावना है।

नेपाल के कृषि उत्पादन (हजार टन)		नेपाल के उद्योग उत्पादन (हजार टन)	
चावल	3403	जूट	20.18
मक्का	1126	चीनी	65
गेहूं	1065	सीमेंट	215
गन्ना	1627	कागज	13
आलू	1296	चाय	2.35
तिलहन	29		

(vii) परिवहन एवं व्यापार :-

विषम धरातल के कारण परिवहन मार्गों का अभाव है। वर्तमान में कुछ सड़के बनी है जिसपर मोटरें चलती हैं। यहाँ पर एक अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा काठमांडु में है। नेपाल में न तो सड़के तथ है और न ही रेलमार्ग अधिक विकसित है अतः नेपाल का व्यापार अधिक उन्नत नहीं है। थोड़ा बहुत भारत से निर्यात-आयात किया जाता है।

(D) सामाजिक स्वरूप

(i) जनसंख्या की स्थिति :-

नेपाल की जनसंख्या 2006 में 260 लाख थी। जनसंख्या का घनत्व 177 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है। यह घनत्व बहुत ही असमान है। हिमालय की तरफ जनसंख्या शून्य है तो इधर काठमांडु की घाटी में प्रतिवर्ग कीमी घनत्व 500-600 व्यक्तियों का है, कहीं कहीं तो यह 2000 व्यक्तियों तक पहुंच जाती है।

(ii) बस्तियों का विकास :-

जहाँ पर मैदानी भाग है और जलवायु अनुकूल है जहाँ पर खेती की जाती है वहाँ बस्तियों का विकास हुआ है। जैसे :- काठमांडु की घाटी में बस्तियों का विकास हुआ है।

(iv) धर्म एवं संस्कृति:- यहाँ के अधिकांश निवासी हिन्दु धर्म के अनुयायी हैं शेष बौद्ध धर्म के। नेपाल में कई आदिवासी प्रजातियाँ भी निवास करती हैं। मुख्य रूप से - नेवार, गुरुंग, मगार, राय, शेरपा, भोटिया आदि हैं। इनमें गोरखा और भोटिया समूह के लोग अधिक संख्या में हैं। नाटे कद के गोरखे अपने योद्धापन के लिए संसार में प्रसिद्ध हैं।

नेपाल में जनसंख्या घनत्व

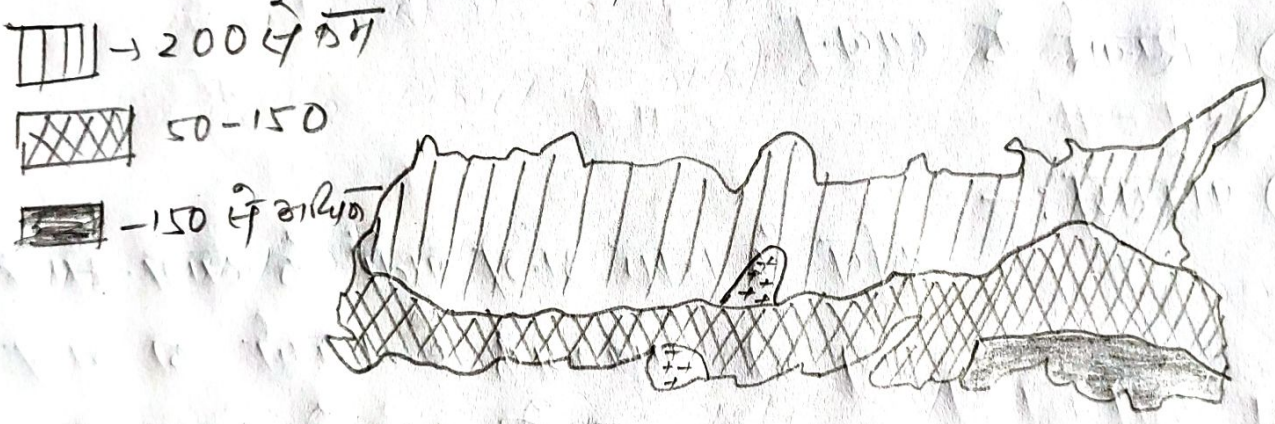

(e) समस्या एवं समाधान के प्रयास:- नेपाल एक विकासशील देश है। यह हमेशा अपने विकास के लिए प्रयास करता है लेकिन इसमें बहुत सारी बाधाएँ उत्पन्न होती हैं जो निम्नवत् हैं -

(i) यहाँ खनिज भंडार की कमी है।
(ii) यहाँ की कृषि वर्षा, सिंचाई का अभाव है
(iii) यहाँ पर परिवहन व्यापार की कमी है।
(iv) शिक्षा स्तर काफी नीचा है।
(v) राजनैतिक समस्याएँ

उपर्युक्त सारी समस्याओं के होते हुए भी इसके समाधान के उपाय किये जा रहे हैं। परिवहन की सुविधा बढ़ाकर आयात कर खनिज की पूर्ति कर रहे हैं। भारत सरकार तथा संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक सहायता से कुछ प्रयत्न किये गये हैं।